जगत मेला चलाचल का

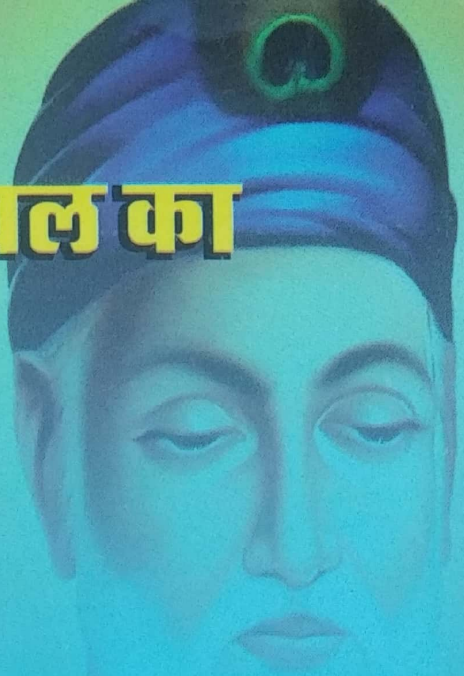

तेरा नहीं होता कभी मेरा नहीं होता
संसार में स्थायी बसेरा नहीं होता
तेरी हवस की दौड़ तुझे क्या निभायेगी
उड़ने के बाद डाल पै डेरा नहीं होता।

निर्मल चन्द निर्मल

Scanned with OKEN Scanner

जगत मेला चलाचल का
निर्मल चन्द निर्मल

सर्वाधिकार लेखकाधीन

प्रथम संस्करण 2020

मूल्य 200/–

ISBIN
978-81-944446-0-2

प्रकाशक–
एन.डी. पब्लिकेशन, नई दिल्ली
www-ndpublication-com
Mob- 7566257575

Scanned with OKEN Scanner

अनुक्रमणिका

क्र.	विवरण	पेज नं.
•	मंतव्य – डॉ. सुरेश आचार्य	04
•	मंतव्य – श्री टीकाराम त्रिपाठी	07
•	मेरी बात	11
1.	सरस्वती वन्दना	17
2.	प्रथम पूज्य	18
3.	बन्धन मुक्त कश्मीर	19
4.	जगत मेला सदाचरण का	20
5.	साँस की दीवार	21
6.	ऐसा गीत लिखा है तूने	22
7.	जब तक साँस तभी तक तन है	26
8.	चार दिन	28
9.	खा चुके जो गोलियाँ	29
10.	मातृभूमि	30
11.	सब सेवक	31
12.	धरती को फिर स्वर्ग बनाना	33
13.	भारत समृद्ध हुआ	34
14.	हमारा सोच	35
15.	रिमरिझ बूँदें	36
16.	कर्त्तव्यों को भूल न जाना	37
17.	आजादी का महाकुंभ	38
18.	हिन्दी में	40
19.	सीधा मार्ग	41
20.	कुछ तो नाम धरा पर छोड़ें	43
21.	निर्भय होकर जीना	45
22.	श्रमबेल	47
23.	पानी–पानी–पानी	48
24.	विश्व–एक गाँव	49
25.	समता का संगीत	50
26.	निजत्व	51
27.	नये मैदानों से	52

Scanned with OKEN Scanner

28.	अपना शासन	53
29.	विचार के लिए	55
30.	समय की माँग	56
31.	जीवन दौर	57
32.	एक पहेली	59
33.	प्रतिभाओं का गुणगान करें	60
34.	युवाओं से	62
35.	सबकी झोली भरती	63
36.	सफर सुहाना हो जाता है	65
37.	आत्म सौन्दर्य	67
38.	कंठ–कंठ में गीत	68
39.	तुलसी की भी जय है	69
40.	स्वर्णिम दिन लाने को	70
41.	गूंगे का गुड़	72
42.	आचरण की हार है	73
43.	सबका राग निराला	74
44.	कुछ मुक्तक	75
45.	हम तुम दीन हुए	76
46.	लगाये कौन ताला	77
47.	कुर्सियों के भाव	78
48.	अब तो संकट हरते हैं	80
49.	तिकड़म का बाजार	81
50.	राजनीति आजकल	82
51.	दर्पण बनकर आ जाते हैं	83
52.	भौत समझियो थोड़ी कई (बुन्देली)	84
53.	सो गत खूब भई (बुन्देली)	85
54.	हवा न ठण्डी आती	86
55.	आज हमारे गाँव	87
56.	छोटू	88
57.	तुम्हारी याद की तड़पन	89
58.	जब तुम्हें अंतिम विदाई दी	90
58.	हिन्दी हिन्दोस्तान की	91
59.	उन पर गीत लिखें	92
60.	भारत वसुन्धरा	93

Scanned with OKEN Scanner

61.	स्वछन्दता कितनी	94
61.	आज कछू तो बोलो (बुन्देली)	95
62.	इसको कहते हैं तकदीर	97
63.	तब आये अब जाये	98
64.	कच्ची डाल रही बचपन की	99

Scanned with OKEN Scanner

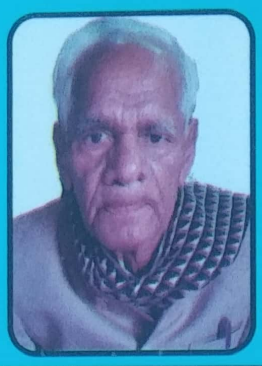

निर्मल चन्द निर्मल

पूर्व प्रकाशित कृतियाँ –बीस हैं यथा –

1. उठाओ कुदाली 2. और कुछ नहीं हुआ 3. गीत वही लिख पाता है 4. गीत है ये जिन्दगी 5. कुछ ऐसे लोग हुआ करते 6. याद नहीं बिसरी 7. जुगनुओं के पास भी ईमान है 8. पसीना बोलता है 9. गुड़िया पूछ रही मम्मी से 10. प्रेम रुपी रंग कितने 11. द्रवणांक 12. आगे कौन बढ़े 13. प्रीत के सुख-दुख घनेरे 14. मील के पत्थर नहीं कोई 15. एक पहर दिनमान शेष है 16. निर्मल सतसई 17. त्रिधारा 18. कबीरा खोजत फिरत मुकाम 19. विविधा 20. दौड़ धूप केवल स्थाई

सम्मान :

सम्मानों की संख्या शताधिक है- दाजी सम्मान-मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, जैन रत्न-मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, श्री अजय सिंह द्वारा सम्मानित, सारस्वत सम्मान म.प्र. लेखक संघ, भोपाल, मोहनी देवी सम्मान भोपाल, छन्द श्री-होशंगाबाद, महाकवि पद्माकर सम्मान-विट्ठल भाई पटेल, महाकवि पद्माकर सम्मान- मंत्री भूपेन्द्र सिंह, कादम्बरी सम्मान- जबलपुर, इनके अतिरिक्त दिल्ली, जयपुर, अजमेर में सम्मानित यह क्रम पर्याप्त लंबा है।

विशेष :

दूरदर्शन और आकाशवाणी से हिन्दी और बुन्देली में रचना पाठ होते रहते हैं। मेरी कवितायें केवल विद्वानों को नहीं वरन् उनको भी हैं जो अपनी समझ कविताओं में तलाशते रहते हैं। सभी उम्र के पाठक मेरी लेखन दृष्टि में हैं।

संबद्धता :

हिन्दी साहित्य सम्मेलन, शाखा सागर, हिन्दी उर्दू मजलिस सागर, प्रगतिशील लेखक संघ, सागर, मध्यप्रदेश लेखक संघ, भोपाल और श्यामलम साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था सागर।

निवास :

89 बी, मधुवनग्रीन्स, तिली वार्ड सागर, म.प्र. 470002
मो.नं. 9993949714

ND PUBLICATION
Badapur South East Delhi 110044
www.ndpublication.com
Email: ndpublication@gmail.com
Mob: 7566257575

ISBN
978-81-944446-0-2

Scanned with OKEN Scanner